RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

YOUNGSTER • ESTABLISHED 2004 • NEW DELHI • FEB 2019 • PAGES 8 • PRICE 1/- • MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

29th National Conference on

Socially responsible marketing is critical of excessive consumerism and environmental damages caused by corporations. It is based on the idea that market offerings must not be only profit-driven, but they must also reinforce social and ethical values for the benefit of citizens, including those in the bottom of the pyramid. Responsible marketing also means that these values are communicated and enforced by everyone in an organization said by Dr. Alok Prakash Mittal (Member Secretary, AICTE) as a chief guest on the occasion of 29th one day National Conference on "Responsible Marketing: Issues and Challenges" on 3rd Feb, 2018 at Tecnia Institute of Advanced Studies, Rohini, Delhi.

Release of the Proceeding of 29th National Conference by the Dignitaries

Dr. Ram Kailash Gupta (Chairman Tecnia Group Of Institutions), Dr. Ajay Kumar (Director, Tecnia Institute of Advanced Studies), Dr. A.K Srivastava, (CEO, A & D) Tecnia Institute of Advanced Studies), Shri Deepak Singh (President, GR Infraproject Limited), Dr. Sunil Gupta (Asso. Prof., IGNOU), Prof. S S Handa (Ex. Prof. ISI, Delhi), Prof.Saroj Dutta (Academic Advisor ,TIAS) , Prof. Rajesh Bajaj and Dr.Sandeep Singh (Convener of the conference) were present on this occasion. National conference started with lighting of lamp besides Saraswati vandana.

Vote of thanks was given by Prof. Saroj Dutta (Academic Advisor,TIAS). He concluded the all sessions including inaugural session and presented glimpse of the conference in brief and given thanks to support by management, TIAS faculty, research scholars, students and non- teaching staff.

-Bal Krishna Mishra

Chief Guest Dr. Alok Prakash Mittal, Member Secretary, AICTE

Guest of Honour Dr. Deepak Singh, President, GR InfraProject Ltd

Guest of Honour Dr. Sunil Gupta, IGNOU

Research Scholar presenting the Research Paper

Research Scholar presenting the Research Paper

Group Photograph During the 29th National Conference

इमर्जिंग ट्रेंड्स इन वेब टेक्नोलॉजीज़, सोशल मीडिया एंड मोबाइल एप्लिकेशन्स विषय पर 30वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

सोशल मीडिया के माध्यम से तकनीकी ज्ञान के आदान –प्रदान से आमजन से व्यवसायी तक एक दूसरे से कुशल संवाद कर सकता है। यह सब सूचना प्रौद्योगिकी में आयी क्रांति का परिणाम है यह उद्गार टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में इमर्जिंग ट्रेंड्स इन वेब टेक्नोलॉजीज, सोशल मीडिया एंड मोबाइल एप्लिकेशन्स विषय पर 17 फरवरी 2018 को आयोजित 30वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रो डॉ सईद आई अहसान (पूर्व प्रो वाईस चांसलर पटना यूनिवर्सिटी, बिहार) ने बतौर मुख्य अतिथि कही।

30वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डा. अजय कुमार निदेशक टेक्निया, मुख्य अतिथि प्रो. डॉ सईद आई अहसान (पूर्व प्रो वाईस चांसलर पटना यूनिवर्सिटी, बिहार) को सम्मानित करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ, टेक्निया समूह के अध्यक्ष डॉ राम कैलाश गुप्ता, संस्थान निदेशक डॉ अजय कुमार, संस्थान के कार्यकारी अधिकारी (शैक्षणिक एवं विकास) डॉ ए के श्रीवास्तव, प्रो डॉ सईद आई अहसान (पूर्व प्रो वाईस चांसलर ऑफ पटना यूनिवर्सिटी, बिहार), प्रो डॉ हरलीन कौर (जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली), प्रो डॉ एम एन हूडा (निदेशक, भारती विद्यापीठ, दिल्ली), प्रो डॉ मुशीर अहमद (विभागाध्यक्ष, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली) व डॉ जितेंदर राय (राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक) ने दीप प्रज्वलित करके किया।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए टेक्निया समूह के अध्यक्ष डॉ राम कैलाश गुप्ता ने मोबाइल एप्लिकेशन्स और सोशल मीडिया में हो रहे परिवर्तनों और विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

संस्थान निदेशक डॉ अजय कुमार ने कहा कि इस संगोष्ठी को आयोजित करने का उद्देश्य सोशल मीडिया, वेब टेक्नोलॉजी तथा मोबाइल एप्लीकेशन के क्षेत्र में कार्य कर रहे अनुसंधान कर्ता, प्राध्यापकों, सूचना तकनीकी के क्षेत्र से जुड़े शिक्षाविदों को क्षेत्र में हो रहे नए कार्यों से अवगत कराना है। संगोष्ठी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए डॉ ए के श्रीवास्तव, कार्यकारी अधिकारी (शैक्षणिक एवं विकास) ने कहा कि इस संगोष्ठी से आईटी क्षेत्र से जुड़े हुए प्रोफेशनल्स में दक्षता बढ़ेगी तथा छात्रों को इस क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों की जानकारी कराने में सहायक होगी।

कार्यक्रम के अंत में डॉ जितेन्द्र राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विभिन्न संस्थानों से आये हुए शिक्षक, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस मौके पर सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

-डा. राहुल शर्मा
बाल कृष्ण मिश्र

प्रो डा. एम एन हूडा, निदेशक, भारती विद्यापीठ, दिल्ली

प्रो डा. हरलीन कौर, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

संगोष्ठी की प्रोसीडिंग का विमोचन करते हुए अतिथिगण

शोधकर्ता अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

शोधकर्ता अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

संगोष्ठी के दौरान समूह चित्र

Endeavour 2K18 ended with full Gusto

Dr. Ajay Kumar Director, TIAS and Dr. AK Srivastava felicitating the Chief Guest Mr. Pawan Kaul, Mananger Project, Daikin

20th Feb. 2018 : ENDEAVOUR 2K18 is management fest organized, managed and conducted by the students of management of Tecnia Institute Of Advanced Studies. This is the only management fest which was eagerly and most awaited by the students of every colleges and Universities of Delhi-NCR. Students showed their talents with full enthusiasm in various events like Quiz, Case Presentation, Management Games, Business Plan, Ad Mad Show, Debate, Just a Minute, Synthesis, Product Logo Design and LAN Gaming Competition. The fest was started with the Saraswati-Vandana and lamp lighting by Chief Guest Mr. Pawan Kaul, Mananger, Project, Daikin company, Dr. Ram Kailash Gupta (Chairman Tecnia Group of Institutions), Dr. Ajay Kumar (Director, Tecnia Institute of Advanced Studies), Dr. A.K Srivastava, (CEO, A&D, Tecnia Institute of Advanced Studies), and Mr. Rahul Tripathi (Convener, ENDEAVOUR 2K18).

In his inaugural speech Mr. Pawan Kaul, Mananger Project, Daikin company shared his joyful experiences and encouraged the students to keep the spirit alive in themselves. He also blessed the students for success of event.

Dr. Ram Kailash Gupta while addressing the students said that "Endeavor Fest is a good initiative of management students. This will help them to face new challenges in the future.

Encouraging the students from various institutions, Dr. Ajay Kumar (Director, TIAS) said that "Endeavor 2018" will surely develop knowledge and managerial skills in management students.

Dr. A. K. Srivastava (CEO, Academic and Development) said that in this competitive era the "Endeavor 2018" will create a better understanding of different dimensions of the management sector in students. At the end of programme vote of thanks was given by Mr. Rahul Tripathi (Convener, Endeavour 2K18). On this occasion all the faculty members, staff and students were present.

-Bal Krishna Mishra

Students making Rangoli during Rangoli Competition

Felicitation of Chief Guest Mr. Pawan Kaul, Mananger Project, Daikin

Student Receiving Certificates During Endeavour

Student Receiving Certificates During Endeavour

Student Receiving Certificates During Endeavour

Group Photograph During the Endeavour 2018

राष्ट्रपति के AMU जाने पर घमासान क्यों?

भारतीय संविधान में नागरिकों के लिए मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया है। उन्ही अधिकारों में से एक है 'स्वतंत्रता का अधिकार' जिसके अंतर्गत लिखने, पढ़ने, अपने विचार व्यक्त करने एवं देश के किसी भी कोने में भ्रमण करने की स्वतंत्रता का वर्णन किया गया है। परंतु आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के AMU (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) जाने पर विवाद शुरू हो गया है।

7 मार्च को AMU में 65वे दीक्षांत समारोह होने वाला है। जहां राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। AMU छात्र संघ की दलील है कि अगर राष्ट्रपति के साथ आने वाले लोगो का बीजेपी या संघ से तालुक निकाला तो कैंपस में उनके लिए जगह नहीं होगी और उनका पुरजोर विरोध किया जाएगा। AMU छात्र संघ सचिव मो. फहद ने इस मामले को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को खत लिखकर कहा है कि हम राष्ट्रपति का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन हम संघी मानसिकता का जरूर विरोध कर रहे हैं जो कि मानवता के खिलाफ है। छात्र संघ सचिव ने वर्ष 2010 में रामनाथ कोविंद के उस बयान का हवाला दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि मुस्लिम और ईसाई देश के लिए एलियन हैं। उनकी यह बात आज तक हमें परेशान करती है।

AMU छात्र संघ के पूर्व सचिव नदीम अंसारी का कहना है कि हम राष्ट्रपति पद की इज्जत

करते हैं, पर हम राष्ट्रपति का नहीं राष्ट्रपति पद बेठे राम नाथ कोविंद का विरोध कर रहे हैं। इस वक्त राष्ट्रपति का चेहरा संघी है, किसी भी कीमत पर संघ के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

देश के राष्ट्रपति के AMU जाने पर घमासान क्यों?

राष्ट्रपति का पद देश का सर्वोच्च संवैधानिक एवं प्रथम नागरिक का पद माना जाता है। राष्ट्रपति सभी विचार धारा और राजनैतिक दलों से अलग होते हैं तो फिर उनके आने पर उन्हे संघ से जोड़कर देखना, और उनका विरोध करना राष्ट्रपति पद की गरिमा और उस पद की मर्यादा का अपमान करना है। क्या सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए किसी उच्च पद पर बेठे व्यक्ति के ऊपर इल्ज़ामात लगाना जायज हैं? क्या AMU छात्र संघ का यह कहना कि राष्ट्रपति के साथ जो जन संघ के लोग आएंगे हम उन्हे नहीं आने देंगे क्या ये तर्कसंगत हैं क्योंकि विश्वविद्यालय किसी की जागीर नहीं होती वहां हर कोई व्यक्ति आ सकता हैं चाहे वो किसी भी धर्म, जाति, दल, या फिर संस्था का हो।

क्या AMU मैं जो हो रहा है वो मौलिक अधिकारों का हनन नहीं है, अगर अपने ही देश में किसी को अपनी बात रखने की आजादी ना दी जाए तो यह मानव अधिकारों को हनन नहीं, क्या अपने देश में किसी जगह पर जाने देने से रोका जाना मानव अधिकारों को हनन नहीं?

- रोहित रावत

Photo of the Month

Life is God's blessing, Unless we travel, explore and wander all round the world, we cannot count those blessings! View at Meena Bazaar during dawn!

बढ़ती आबादी देश की सबसे गंभीर समस्या, जल्द ध्यान देना होगा

From The Editor Desk

भारत में जनसंख्या विस्फोट का असर अब दिखाई देने लगा है। हमारी सुविधाएँ सिकुड़ने लगी हैं और दैनंदिन जीवन मुश्किल में पड़ने लगा है। भारत की राजधानी जनसंख्या विस्फोट से उबलने लगी है। देश के मेट्रो शहरों का हाल भी बहुत खराब है। दिल्ली में आये दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम ने जीना हराम कर दिया है। वाहन रेंगने की स्थिति में पहुँच गए हैं। लोगों को पैदल चलना अधिक मुनासिब लग रहा है। अभिनेत्री और सांसद हेमामालिनी ने यह कहकर आग में घी डाल दिया कि बाहर के लोग मुंबई छोड़ दें। वह यह भूल गईं कि मुंबई वाले लोग अन्यत्र चुनाव लड़कर दुनिया को क्या सीख देना चाहते हैं। बहरहाल बढ़ती जनसंख्या की दुश्वारियां सिर चढ़कर बोलने लगी हैं। भूखों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। विकास कार्य सिकुड़ रहे हैं। रोटी, कपड़ा और मकान की बुनियादी सुविधाओं की बात करना बेमानी हो गया है। विकास का स्थान विनाश ने ले लिया है।

आज विश्व की जनसंख्या सात अरब से ज्यादा है। अकेले भारत की जनसंख्या लगभग 1 अरब 35 करोड़ के आसपास है। भारत विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। आजादी के समय भारत की जनसंख्या 33 करोड़ थी जो आज चार गुना तक बढ़ गयी है। परिवार नियोजन के कमजोर तरीकों, अशिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव, अंधविश्वास और विकासात्मक असंतुलन के चलते आबादी तेजी से बढ़ी है। संभावना है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का 17.5 फीसद है। भूभाग के लिहाज के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन है। 4 फीसद जल संसाधन है। जबकि विश्व में बीमारियों का जितना बोझ है, उसका 20 फीसद अकेले भारत पर है। वर्तमान में जिस तेज दर से विश्व की आबादी बढ़ रही है उसके हिसाब से विश्व की आबादी में प्रत्येक साल आठ करोड़ लोगों की वृद्धि हो रही है और इसका दबाव प्रातिक संसाधनों पर स्पष्ट रूप से पड़ रहा है। इतना ही नहीं, विश्व समुदाय के समक्ष माइग्रेशन भी एक समस्या के रूप में उभर रहा है क्योंकि बढ़ती आबादी के चलते लोग बुनियादी सुख–सुविधा के लिए दूसरे देशों में पनाह लेने को मजबूर हैं।

जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाना किसी भी सरकार के लिए सरल नहीं होता। हमारे देश भारत की जनसंख्या सन् 1947 में लगभग तैंतीस करोड़ थी। आज विश्व की जनसंख्या लगभग 7 अरब से भी ज्यादा है। भारत की पिछले दशक की जनसंख्या वृद्धि दर 17.64 प्रतिशत है। विश्व की कुल आबादी का आधा या कहें इससे भी अधिक हिस्सा एशियाई देशों में है। चीन, भारत और अन्य एशियाई देशों में शिक्षा और जागरूकता की कमी की वजह से जनसंख्या विस्फोट के गंभीर खतरे साफ दिखाई देने लगे हैं। स्थिति यह है कि अगर भारत ने अपनी जनसंख्या वृद्धि दर पर रोक नहीं लगाई तो वह 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा। सम्पूर्ण विश्व में चीन को अपनी 1.3 अरब जनसंख्या के चलते विश्व में प्रथम स्थान हासिल है। वहीं दूसरी ओर भारत भी अपनी 1.35 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि अगर भारत की जनसंख्या इसी दर से बढ़ती रही तो 2030 तक उसे विश्व में प्रथम स्थान हासिल हो जायेगा। विभिन्न अध्ययनों से यह पता चला है कि सन् 2025 तक भारत चीन को भी पछाड़ देगा और विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा। इस तथ्य के बावजूद कि यहां जनसंख्या नीतियां, परिवार नियोजन और कल्याण कार्यक्रम सरकार ने शुरु किए हैं और प्रजनन दर में लगातार कमी आई है पर आबादी का वास्तविक स्थिरीकरण केवल 2050 तक ही हो पाएगा। उच्च जन्मदर और बेहतर सफाई व स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते घट रही मृत्यु दर उच्च जनसंख्या वृद्धि दर की मुख्य वजह हैं।

बजट 2018-19 विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित

बजट 2018-19 के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए अतिथिगण

दिनांक 06–02–2018: "इस वर्ष के बजट में विशेषकर कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, आर्थिक दृष्टि से कम सुविधा प्राप्त वर्ग के लोगों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा करने, आधारभूत सुविधाओं के सृजन तथा देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्यों के साथ मिलकर कार्य करने पर विशेष रूप से जोर दिया" यह उद्‌गार टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज में 'बजट 2018–19' विषय पर आयोजित एकदिवसीय संगोष्ठी के दौरान श्री अमित कुमार गुप्ता (निदेशक, ट्रिम्फ फाइनेंसियल सर्विसेज, नई दिल्ली) ने बतौर वक्ता कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अमित कुमार गुप्ता (निदेशक, ट्रिम्फ फाइनेंसियल सर्विसेज, नई दिल्ली), टेक्निया समूह के अध्यक्ष डॉ राम कैलाश गुप्ता, संस्थान निदेशक डॉ अजय कुमार, संस्थान के कार्यकारी अधिकारी (शैक्षणिक एवं विकास) डॉ ए के श्रीवास्तव, पीयूष भार्गव (सहायक महाप्रबंधक, सिडबी), संजय सिंघल (निदेशक, लाइफ लाइन इंश्युरेन्स), प्रो सरोज दत्ता (शैक्षणिक सलाहकार, टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज) व डॉ अजय प्रताप सिंह (प्रभारी, आतंरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल) ने दीप प्रज्वलित करके किया।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए टेक्निया समूह के अध्यक्ष डॉ राम कैलाश गुप्ता ने कहा कि देश के किसानों, गरीब वर्ग के लोगों और समाज के अन्य तबकों के संरचनात्मक बदलाव एवं अर्थव्यवस्था की उच्च विकास दर के लाभ को उन तक पहुंचाने तथा देश के अल्प विकसित क्षेत्रों के उत्थान के लिए सरकार ने बजट में प्रावधान किया है। संस्थान निदेशक डॉ अजय कुमार ने कहा कि यह बजट आम नागरिकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

-बाल कृष्ण मिश्र

मुख्य अतिथि अमित गुप्ता बजट 2018-19के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए

रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन

टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग व रोटरी ब्लड बैंक के समन्वय से 21 फरवरी 2018 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के समस्त छात्र – छात्राओं के अतिरिक्त अध्यापक गणों ने भी अपना सहयोग दिया।

शिविर में 200 से अधिक छात्रों ने रक्त दान किया। शिविर के इंचार्ज श्री विजय जैन ने कहा कि रक्त दान महादान होता इसलिए समय समय पर राजधानी के अलग अलग स्थानों पर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रक्त दान शिविर लगाया जाता है ताकि भविष्य में जरुरतमंदो को इसका लाभ मिल सके।

टेक्निया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन श्री राम कैलाश गुप्ता ने कहा इस तरह का आयोजन हम समय समय पर करते रहेंगे ताकि रक्त की कमी से होने वाले मौतों को रोका जा सके। टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के निदेशक डॉ अजय कुमार ने कहा की हम सभी को रक्त दान करना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा हम रक्त की कमी से जाने वाली जिंदगी को बचा पाएंगे। डॉ अजय कुमार ने यह भी बताया कि सामाजिक और नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन के उद्देश्य से इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था साथ ही साथ इस आयोजन की प्रशन्सा करते हुए विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। डॉ. ए. के श्रीवास्तव (सीइ, शैक्षणिक एवं विकास) ने कहा कि अट्ठारह से पैंसठ वर्ष के लोग यदि अपने जीवन काल में कम से कम 25 बार रक्तदान करेंगे तो वे 500 लोगों के जीवन को बचा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद रहे।

– बालकृष्ण मिश्रा

छात्र-छात्राएं रक्तदान करते हुए

Career Counseling Session on "Conscious Based Education"

Tecnia Institute of Advanced Studies Rohini, organized a career counseling session for students under the banner of Capability Enhancement and Development Scheme on the topic "Conscious Based Education"on 22nd Feb 2018. Prof. (Dr). Ashley Dean Mahrshi Mahesh Yogi University, Netherland was the resource person on the occasion. He said that millions people practice transcendental meditation worldwide. Conscious Based Education has a positive impact on academic performance, psychological well-being, and interpersonal experience for students in colleges. He also told that conscious based education has the strongest and most proven track record for results in terms of stress relief, reduced anxiety, enlightenment and inner peace.

Dr. Ram Kailash Gupta (Chairman, Tecnia Group) said that Conscious Based Education is ancient Vedic practice. This is simple, natural, effortless procedure. It's not a religion, philosophy, or lifestyle.

Dr. Ajay Kumar (Director, TIAS) congratulated the organizing team and deliberated on the topic, according to him the "Transcendental Meditation" technique is based on the ancient Vedic tradition of enlightenment in India. This knowledge has been handed down by Vedic masters from generation to generation for thousands of years.

Dr. A.K Srivastava, (CE, Academic & Development, TIAS) told that meditation can have a positive impact on academic performance, psychological well-being, and interpersonal experience for students in university, college, and other higher education settings.

Dr. Ajay Pratap Singh (IQAC) delivered vote of thanks. On this occasion Dr. Nivedita Mishra (Training & Placement), faculty members and students were present.

- Bal Krishna Mishra

During career counseling session Prof. (Dr). Ashley Dean Mahrshi Mahesh Yogi University, Netherland addressing the students

Visit to AajTak

Tecnia Institute of Advanced Studies organized Industrial visit to India Today Group (Aajtak), Noida for BA (JMC) students on 02 February 2018. The students got chance to participate in the Debate. 24 students had participated as an audience in the program "Bharat Tak" which was a Debate Show. Under the presence of multi-camera set-up, the show 'Bharat Tak" started. The renowned journalist Mr. Rohit Sardana & Ms. Shweta Singh introduced the first episode of 'Bharat Tak'. Afterward both journalists introduced the guest came from different part of the country and different backgrounds. The show consists of panelist like Major GL RTD GD Bakshi, Defense Expert, Mr. Suneet Chopra, CPIM, and Social Activist Shabaman lone. In the show, Tecnia students interacted and shared their views with the Journalists & the panelist. It was completely a debate based show where the debate was done on "FIR Lodged against the army officer in Kashmir". The students enjoyed the show and learnt the technical and communication skills. The anchors counseled and motivated the students for their respective career.

Students with Famous Anchors Shweta Singh and Rohit Sardana

- Jagriti Basera

THIS MONTH

February 21, 1972 - President Richard Nixon arrived in China for historic meetings with Chairman Mao Tse-tung and Premier Chou En-lai.

•••

February 4, 1985 - Twenty countries in the United Nations signed a document entitled "Convention Against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment."

•••

February 28, 1986 - Swedish Prime Minister Olof Palme (1927-1986) was assassinated in Stockholm while exiting a movie theater with his wife.

•••

February 15, 1989 - Soviet Russia completed its military withdrawal from Afghanistan after nine years of unsuccessful involvement in the civil war between Muslim rebel groups and the Russian-backed Afghan government. Over 15,000 Russian soldiers had been killed in the fighting.

•••

February 11, 1990 - In South Africa, Nelson Mandela, at age 71, was released from prison after serving 27 years of a life sentence on charges of attempting to overthrow the apartheid government. In April 1994, he was elected president in the first all-race elections.

•••

Compilation: Honey Shah

Anugoonj 2018

Tecnia's Saransh Peer grabbed 2nd position in 'semi classical vocal solo' in Anugoonj 2018

Tecnian 'Saransh Peer' of BA (J&MC) 3rd semester grabbed the 2nd position in 'semi classical vocal solo'. Anugoonj was held on 8th, 9th&10th Feb 2018 GGSIP University campus in full flare.

GNIM organized the prelims of Anugoonj on 24th & 25th Feb 2018. Students from various colleges of zone 3 of I.P University took part in it. The main aim of Anugoonj is over all development of students and giving them opportunities and a platform to showcase their talents .There were various competitions of cultural and literary events managed to qualify for the main event in three categories

- Shopita Khurana

BASICS OF MEDIA

Demographics - Audience research factors concerned with such data as age, gender, marital status, and income.

•••

Effect-to-Cause Model - Moving from idea to desired effect on the viewer, then backing up to the specific medium requirements to produce such an effect.

•••

Facilities Request - A list that contains all technical facilities needed for a specific production.

•••

medium requirements - All content elements, production elements, and people needed to generate the defined process message.

•••

Process Message - The message actually received by the viewer in the process of watching a television program.

•••

Production Schedule - The calendar that shows the preproduction, production, and postproduction dates and who is doing what, when, and where.

•••

Program Proposal - Written document that outlines the process message and the major aspects of a television presentation.

•••

Compilation: Rahul Mittal

सेना पर सवाल क्यों?

भारत में लोग सेना के शौर्य और शहादत के दम पर सुरक्षित है। ओवैसी जैसे नेता जो सांप्रदायिकता या किसी विशेष समुदाय के सहारे अपनी राजनीति को चमकाते हैं वो सेना प्रमुख को नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं।

कांग्रेस से लेकर NCP तक सबको सेना प्रमुख का बयान खटक रहा है। सेना प्रमुख के बयान पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। यह सब विवाद उस पार्टी के लिए हो रहा जिस पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को शह देना का आरोप हैं जो पार्टी मुसलमानो के नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेकती है। लेकिन जब सेना प्रमुख को गली का गुंडा कहा जाता है तब किसी को तकलीफ नहीं होती, तब कोई कुछ नहीं बोलता, तब किसी को नैतिकता याद नहीं आती।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम (भविष्य की जंग) में सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भारत में अवैध एवं योजनाबद्ध तरीके से आने वाले घुसपैठियों और शरणार्थियों को पड़ोसी देशों की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सीमा के

उस पार से आतंकवादियों को कश्मीर में उग्रता एवं अशांति फैलाने के लिए भेजा जाता है उसी प्रकार पूर्वोत्तर में अशांति फैलाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से बांग्लादेशी शरणार्थियों को भेजा जा रहा है। सेना प्रमुख ने अपने बयान में कहा कि हमारे पड़ोसी मुल्कों ने अब हमे परेशान करने के लिए proxy war का पैंतरा अपनाया है। जिसके तहत वह बांग्लादेशियों की घुसपैठ भारत (असम) में करवा रहा है। विवाद जनरल की और से AIUDF और BJP का नाम लेने पर हो रहा है।

समारोह में बिपिन रावत ने BJP और AIUDF के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि BJP के मुकाबले AIUDF संगठन तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2005 में इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल ने AIUDIF का गठन किया । इस समय AIUDIF के 3 संसद और 13 विधायक है। AIUDIF के ऊपर समय समय पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को शह देने के आरोप लगते रहे हैं। AIUDIF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सेना प्रमुख के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि पार्टी बढ़ रही है तो सेना प्रमुख को चिंता क्यों हो रही है? AIUDIF ने इसकी शिकायत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से की है। वही अब इस मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी आनी शुरू हो गई है।

सेना के शहीदों का मजहब ढूंढने वाले AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि सेना प्रमुख को राजनीतिक मामलों में दखल नहीं देनी चाहिए। उनका काम किसी राजनीतिक पार्टी पर कमेंट करना नहीं है। लोकतंत्र और संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है। वही CPM ने भी कहा है कि आर्मी चीफ को राजनीतिक बयान नहीं देना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि ना ही सेना को राजनीति में हस्तक्षेप करना चाहिए और ना ही राजनीति के लोगों को सेना के मामलो में। वही BJP ने बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की समस्या पर आर्मी चीफ का समर्थन करते हुए कहा है कि यह एक गंभीर समस्या है।

क्या सेना प्रमुख के बयान को राजनैतिक चश्मे से देखा जाना जायज हैं? कुछ पार्टियां सेना के शहीदों का मजहब ढूंढती हैं, लेकिन सेना ने मजहबी वोट बैंक पर सवाल उठाए तो विवाद होना क्या जायज हैं?

– आतिश कुमार

Vol. 14 **No.** 2
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, responsible for selection of News under PRB Act. All rights reserved.

IMPORTANT QUOTES

"It is better to have a permanent income than to be fascinating."
- Oscar Wilde

•••

"There is no sincerer love than the love of food."
- George Bernard Shaw

•••

"Anything that is too stupid to be spoken is sung."
- Voltaire

•••

"No Sane man will dance."
- Cicero

•••

"Hell is a half-filled auditorium."
- Robert Frost

•••

"Vote early and vote often."
- Al Capone

•••

"Happiness is good health and a bad memory."
- Ingrid Bergman

•••

Compilation: Sanjay Srivastava

WINNERS v/s LOOSERS Part-79

Winners make sacrifices for the team; Losers care only about themselves.

•••

When a Winner makes a mistake he says "I was wrong,"; when a Loser makes a mistake he says "It wasn't my fault."

•••

A Winner learns from his mistakes; A Loser learns not to make mistakes by not trying anything different.

•••

A Loser believes in Fate; A Winner believes that we make our fate by what we do or fail to do.

•••

A Winner stops talking when he has made his point; A Loser goes on until he has blunted his point.

•••

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **hodbjmc@tecnia.in**